भगवान श्री कल्कि

हमारा उद्देश्य संस्कार सत्संग कीर्तन

श्री हनुमान जी

श्री कल्कि बाल वाटिका

मासिक पत्रिका

मां वैष्णवी

गुरूदेव लक्ष्मीनारायण जी

अंक 5, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य 10 रु | वर्ष 2013 मास मई

आश्चर्यजनक किंतु सत्य

महाविष्णु का इस युग में भगवान श्री कल्कि ऐसा चमत्कारी अवतार हैं जिनकी आने से पहले शक्तिपीठों-सिद्धपीठों में राजा रानियों द्वारा मूर्तियां लगाई गई व लगाई जा रही हैं और विधिवत पूजा हो रही हैं।

12 मई 2013
विंध्याचल, मिर्जापुर
*के.सी.पांडे 09415987278

13 मई, 2013
भागीरथी घाट, कांशी
सुनील गुप्त 9810272111*

29 अप्रैल 2013
मुक्तेश्वर, नैनीताल
*मनोज पांडे 9212703815

13 मई 2013
अन्न क्षेत्र, कांशी
के.सी.पांडे 09415987278*

13 अप्रैल, 2013
घंटाघर, सब्जी मंडी
शुक्ला मंदिर, दिल्ली
संजू गड़ौदिया 9312539397*

14 अप्रैल 2013,
बहादुरगढ़, हरियाणा
कृष्ण शरणम धाम मंदिर
सुभाष शर्मा 9971879583*

16 मई, 2013
रोहिणी, सैक्टर-7
नई दिल्ली, वात्सल्य मंदिर
निशी गर्ग 9990485395*

असरोही
2 अप्रैल, 2013
मनोज पांडे 9212703815*

* अधिक जानकारी के लिए संपर्क

कुछ तो लोग कहेंगे लोगों का काम है कहना।
आभार : रश्मि गुप्त-9873345859

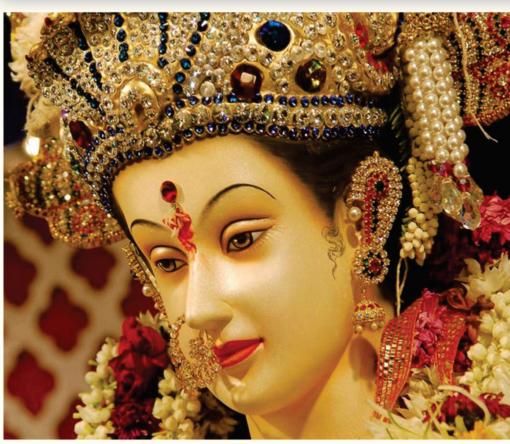

श्री श्री 1008 बड़ी दुर्गा महारानी जी | **माँ विन्ध्यवासिनी**

सकल ब्रह्माण्ड में जितनी शक्तियाँ पूजी जाती हैं सभी माँ विन्ध्यवासिनी से निकली हैं।

श्री कल्कि बाल वाटिका
संस्कार रोपण कार्यशालाएं

12 मई रविवार भगवान श्री कल्कि जगजननी आदि महाशक्ति माँ विन्ध्यवासिनी की गोद की ओर

—संकलन-मामाजी, संयोजक-कुमार हर्षित गुप्त (मनु) (0999885277)

जगतजननी आदि-महाशक्ति अपने संपूर्ण श्री विग्रह (सात्विक राजस व तामस गुणों से युक्त) माँ विन्ध्यवासिनी महालक्ष्मी, महाकाली व माँ सरस्वती विन्ध्याचल पर्वत पर विन्ध्यवासिनी व काली खोह में अष्ट भुजा के रूप में पूजी जाती हैं।

माँ विन्ध्यवासिनी के अंशावतार ने सती के रूप में राजा दक्ष के यहाँ अवतार (जन्म) लिया था। कालान्तर में राजा दक्ष ने विशाल यज्ञ का आयोजन किया। अपने पति महादेव (भगवान शंकर) के अपमान से आहत (दुखी) सती ने दक्ष के यज्ञ कुंड में आहुत (जलकर) होकर अपना शरीर त्याग दिया था।

यह जानकर भगवान भोलेनाथ ने अत्यंत क्रुद्ध होकर दक्ष के यज्ञ को ध्वंस कर दक्ष का संहार कर व सती के शव को यज्ञ कुंड से निकाल कर तांडव करते हुए सती के शव को लेकर मृत्यु लोक में भ्रमण करने लगे। इससे सृष्टि का सारा क्रम-चक्र रूक गया।

देवी-देवताओं, ऋषि-मुनियों की प्रार्थना पर भगवान विष्णु ने भगवान शिव को शांत करने के लिए अपने सुदर्शन चक्र से सती के शव को 52 खंडों में विभक्त किया। यही खंड जहाँ जहाँ गिरे वही शक्ति पीठ कहलाए।

प्यारे बच्चों, 12 मई 2013 को जहाँ भगवान श्री कल्कि का श्री विग्रह (मूर्ति) प्रतिष्ठित (लगाने) होने जा रहा है। वहाँ माँ सती के **बांए पैर का अंगूठा भी गिरा है।**

अत: आप यहाँ महज एक शक्तिपीठ समझ कर ही न जाएं अपितु यह समझ कर जाएं कि आप एक विशाल शक्ति के पुंज (हैवी पावर ट्रांसफार्मर) **आदि महाशक्ति** सनातन जगतजननी माँ विन्ध्यवासिनी के पास जा रहे हैं, जहाँ अन्य शक्तिपीठों में गिरे 52 विभक्त खंड में से एक बाएं पैर का खंड यहाँ भी गिरा है।

अत: हमारे प्रभु श्री कल्कि अब शक्तिपीठ के साथ साथ आदि महाशक्ति जगतजननी की गोद में प्रतिष्ठित होने जा रहे हैं। इस बार आप राजा रानियों की तरह पहली मूर्ति स्थापनाओं से अधिक भगवान श्री कल्कि जी के प्राकटय के कार्य करने की शक्ति एवं प्रतिदिन के जीवन की वैभवता लेकर लौटेंगे।

* सभी शर्तें लागू

आओ बताएं कुछ विन्ध्याचल के बारे में

—संकलन-मामाजी, संयोजक-कुमार हर्षित गुप्त (मनु) (0999885277)

❁ ❁ ❁

पुराणों में वर्णित है कि जहाँ पर विन्ध्य पर्वत व गंगा नदी का संगम हो वही विन्ध्याचल है।

विन्ध्य क्षेत्रं सम क्षेत्रं, नास्ति ब्रह्माण्ड गोल के

अर्थात् यही एक मात्र स्थान है जहाँ पर भागीरथी गंगा व विन्ध्य पर्वत का संगम होता है।

❁ ❁ ❁

माँ विन्ध्यवासिनी को बिन्दुवासिनी भी कहा जाता है। यह शक्तिपीठ न होकर सिद्धपीठ व महाशक्तिपीठ भी है।

❁ ❁ ❁

विंध्याचल संपूर्ण भारत का मध्य बिंदु है।

❁ ❁ ❁

विंध्याचल में माता के अंशावतार से योगमाया माँ अष्टभुजा का प्रादुर्भाव हुआ जो कंस के हाथ से छूट कर विंध्य पर्वत पर आईं। विंध्य पर्वत पर वास करने से माँ को विंध्यवासिनी पुकारा जाता है।

❁ ❁ ❁

रक्तबीज का संहार करने के लिए माँ विंध्यवासिनी ने दो स्वरूप धारण किए- एक चण्डी और दूसरा काली का। जब चण्डी से रक्तबीज का संहार न हुआ तो महाकाली ने मुंह खोलकर बिना भूमि पर रक्त गिराए अपने मुंह से रक्तबीज को ग्रास बनाया।

❁ ❁ ❁

विंध्य पर्वत की लंबाई 1700 किलोमीटर व ऊंचाई 300 मीटर है। जो बंगाल से बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश होते हुए महाराष्ट्र तक जाता है।

❁ ❁ ❁

सूर्य की पहली किरण सर्वप्रथम यहीं पड़ती है।

❁ ❁ ❁

विंध्य क्षेत्र भारतीय मानक समय (Indian Standard Time) का केन्द्र है।

विंध्याचल धाम के रंगीन चित्र देखें पत्रिका के अंतिम पृष्ठ पर

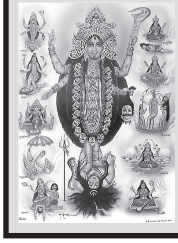

आप यहाँ महज एक शक्तिपीठ समझ कर ही न जाएं अपितु यह समझ कर जाएं कि आप एक विशाल शक्ति के पुंज (हैवी पावर ट्रांसफार्मर) आदि शक्ति सनातन जगतजननी माँ विन्ध्यवासिनी के पास जा रहे हैं। यहाँ दस महाविद्याओं (1. काली 2. तारा 3. महाविद्या (त्रिपुरसुंदरी) 4. भुवनेश्वरी 5. भैरवी 6. छिन्नमस्ता 7. धूमावती 8. बगुलामुखी 9. मातंगी 10. कमला) को सरलता से सिद्ध किया जा सकता है क्योंकि आदि शक्ति के विराजमान होने से यहाँ विशाल तेज का पुंज है।

विंध्य पर्वत की कथा

त्रिदेव भी अनुशासन व संयम से चलते हैं वरना

—कुमार हर्षित गुप्त (मनु) (0999885277)

पुराणों में वर्णित हिमालय सबसे ऊँचा पर्वत है। जहाँ जगतजननी आदि शक्ति महाशक्ति (महाकाली-महालक्ष्मी-महासरस्वती) विन्ध्यवासिनी अष्टभुजा के रूप में विन्ध्यपर्वत पर प्रतिष्ठित हैं। **विन्ध्य पर्वत को हिमालय की विशालता के आगे ईर्ष्या होने लगी।** विन्ध्य पर्वत अपने को हिमालय पर्वत के सामने छोटा व अपमानित महसूस करने लगा।

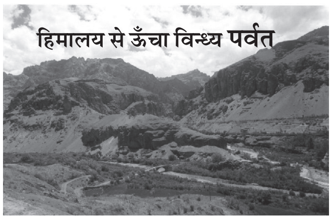

विन्ध्य (पर्वत) ने हिमालय से अधिक ऊँचा होने की चाहत को लेकर अपनी आराध्य जगतजननी मूल प्रकृति **माँ विन्ध्यवासिनी की घोर तपस्या की** जिससे प्रसन्न होकर माँ विन्ध्यवासिनी के साथ ही उनके चरण में निवास करने वाले त्रिदेव का आशीर्वाद प्राप्त कर **विन्ध्य पर्वत दिनोंदिन बढ़ने लगा।**

जब सूर्य देव के रथ का पहिया रूका

नित्य नई ऊँचाइयों को छूते हुए **विन्ध्य पर्वत ने सूर्य के रथ के पहिए को भी रोक दिया।** इससे **त्रिलोक में हाहाकार मच गया।** देव, दानव, पशु, पक्षी, मनुष्य सभी विचलित हो उठे। त्रिलोक का संचालन ठप सा हो गया। इस समस्या के समाधान के लिए देवता ऋषि आदि त्रिदेवों के पास गए व अपनी व्यथा सुनाई। इस समस्या के समाधान हेतू त्रिदेवों ने देवताओं को विन्ध्य पर्वत के गुरु ऋषि अगस्त्य मुनि (जिन्होंने देवताओं की प्रार्थना पर समुद्र को एक चुल्लू में पी लिया था। जल न रहने के कारण **दोबारा देवताओं की प्रार्थना पर मूत्र करने पर समुद्र को दोबारा से भर दिया था** इसी कारण समुद्र का जल **खारा (नमकीन) है** जो पहले मीठा था) के पास काशी* में भेजा। अगस्त्य मुनि समस्या के समाधान के लिए अपने प्रिय शिष्य विन्ध्य पर्वत को मनाने आए। गुरु को देखते ही **विन्ध्य पर्वत ने साष्टांग दण्डवत** करते हुए गुरु के चरणों में **प्रणाम किया।** विन्ध्य पर्वत के झुकते ही भगवान भास्कर के रथ का पहिया चल पड़ा। दिनकर के गतिमान होते ही सारी सृष्टि पूर्ववत हो गई।

अगस्त्य मुनि समुद्र पीते हुए

गुरु अगस्त्य ने विन्ध्य पर्वत को आदेश दिया कि जब तक मैं लौट कर न आऊँ तब तक तुम ऐसे ही मुद्रा में रहो। यह कहकर अगस्त्य मुनि (जिन्होंने अगस्त्य संहिता में रामावतार में कल्कि जी के 1000 नाम लिखे हैं) दक्षिण दिशा अर्थात् दक्षिण भारत की ओर चले गए और **आज तक वापिस नहीं लौटे।** अपने गुरु के इंतजार में आज भी विन्ध्य पर्वत दंडवत की मुद्रा में खड़ा है।

** काशी, जहाँ बच्चों कूष्माण्डा माँ के प्रांगण में 29 अक्टूबर 2012 को श्री हनुमान जी के पास कल्कि जी की मूर्ति लगाई थी और अब 13 मई 2013 को गंगा के तट दशाश्वमेघ घाट पर जहाँ प्रतिदिन सत्संग के बाद श्री गंगा जी की लयसुर से आरती होती है, वहीं बड़ी सीतला माँ के मंदिर में एवम् अन्न क्षेत्र कांशी बृहस्पति मंदिर के सामने भी कल्कि जी की मूर्ति लग रही है।*

क्रोध का अपना पूरा खानदान है

क्रोध की एक लाडली बहन है--- जिद्द
क्रोध की पत्नी है--- हिंसा
क्रोध का बड़ा भाई है---अहंकार
क्रोध का बाप है जिससे वो डरता है--- भय
क्रोध की बेटियाँ हैं--- निंदा और चुगली
क्रोध का बेटा है--- बैर
इस खानदान की नकचढ़ी बहू है--- ईर्ष्या
क्रोध की पोती है--- घृणा
क्रोध की मां है--- उपेक्षा

यू एस बी टू इन वन एंप्लीफायर एम यू 25

अब पैन ड्राइव चलाने के साथ भजन गाने की सुविधा के साथ बना यू एस बी टू इन वन एंप्लीफायर एम यू 25 मात्र -1650 रु में माईक अलग क्वालिटी के अनुसार

पैन ड्राइव फ्री

सुप्त तीर्थ जागरण अभियान में रविवार 26 मई 2013
भगवान श्री कल्कि जी की जन्म स्थली संभल में यम तीर्थ में श्री कल्कि सहस्त्रनाम यज्ञ

प्रिय साथियों,

सुश्री इंदु बंसल, नीलम वार्ष्णेय (क्रिमिनल एडवोकेट) सुश्री अंजु रस्तोगी (पत्नी श्री अतुल रस्तोगी (एडवोकेट) के तत्वाधान में प्रति मास की भांति रविवार 26 मई 2013 को श्री कल्कि सहस्त्रनाम यज्ञ में यम तीर्थ में होगा। आप सभी दिल्ली-संभल व अन्य सनातनधर्मी श्री कल्कि सहस्त्रनाम यज्ञ में आमंत्रित हैं।

सवालाख भक्तों में कल्कि नाम तेज व्याप्त के लिये कोलकाता-संभल में
राम नवमी के सुअवसर पर सवालाख भक्तों के निमित्त ज्योत कल्कि जी को समर्पित

कोलकाता में

संभल में

भगवान श्री कल्कि की प्रेरणा एवं कृपा के फलस्वरूप सम्भल में कल्कि विष्णु मन्दिर के प्रांगण में कल्कि जी पद्मा जी के समक्ष एवं चामुंडा मन्दिर में कल्कि जी-रमा-पद्मा जी के समक्ष दो जगह सम्भल एवं दिल्ली के कल्कि भक्तों द्वारा सवालाख ज्योत प्रज्वलित कर सवालाख प्रज्वलित ज्योतों से भगवान श्री कल्कि जी-रमा-पद्मा जी की आरती करी गई।

गुरु जी लक्ष्मी नारायण जी ने कहा था 'भगवान श्री कल्कि का तेज सवालाख भक्तों के शरीरों में व्याप्त होगा। सवालाख भक्त एक साथ पुकारेंगे तो ही कल्कि जी का प्राकटय तुरन्त होगा। सवालाख ज्योत उन्हीं सवालाख भक्तों के शरीर में उनका तेज व्याप्त हो इसी प्रार्थना के साथ जलाई गईं एवं भगवान श्री कल्कि से सुख समृद्धि प्रदान करने की एवं प्राकटय की प्रार्थना की गई।

प्रेरणा स्तोत्र एवं आभार : सुश्री रश्मि गनेरीवाल (कोलकाता) 09831273015

आभार, प्रार्थना एवं सवालाख ज्योत व्यवस्था: सुश्री इंदु बंसल (01132448401)
सवालाख ज्योत : सुश्री रश्मि गनेरीवाल मात्र 1950 रुपये
सवालाख ज्योत श्री कल्कि बाल वाटिका दिल्ली 1950 रुपय

भगवान श्री कल्कि की मूर्ति स्थापना दिनांक : 16 मई 2013
स्थान : वात्सल्य मंदिर, रोहिणी सैक्टर-7
(रोहिणी पूर्व मैट्रो स्टेशन के पास)
शोभा यात्रा : प्रातः 8 बजे से मूर्ति स्थापना : दोपहर 11 बजे से

आभार : श्री मनोज पांडे (9212703815) सुश्री पूजा गुप्ता (9811858723)
सुश्री शशी अग्रवाल , सुश्री निशी गर्ग(9990485395)

आप भाग्यवान तो हैं ही

क्या आप भी राजा रानी जैसा जीवन जीना चाहते हैं?

गुरु जी के शब्दों में— चले तो चींटी भी हजारों मील चली जाए, नहीं चले तो गरूड़ भी वहीं खड़ा रहे

साहस से काम लें, अपने बराबर या जान पहचान की जगह जहाँ काफी सनातनधर्मी पूजा करने आते हैं और आपको वहाँ के मैनेजमेंट को संतुष्ट करके भगवान श्री कल्कि जी की मूर्ति लगाने की इजाजत मिलती है तो श्री कल्कि विष्णु मंदिर , 815 चौक कुण्डेवालान में संगमरमर की बनी मूर्तियों में से कोई भी कल्कि जी की-पदमाजी-रमाजी-श्री हनुमान जी-श्री दुर्गा जी-माँ वैष्णवी की पसंद करके यह शुभ कार्य शीघ्र पूरा करने का मन बनाएं। हमारी कोई मदद की आवश्यकता हो तो बताएं।

सुश्री अलका गोयल-9811281271 श्री राहुल अग्रवाल-9891879718

चमत्कारी श्री कल्कि जी की मूर्तियां पिछले जन्मों के महाभाग्यवान राजा रानियों ने लगाई-लगाते रहेंगे-लगा रहे हैं

आदि महाशक्ति माँ विंध्यवासिनी मां योगमाया, मां सती (दक्ष की पुत्री) इनकी अंशावतार हैं।

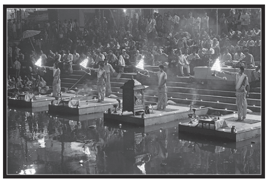

दशाश्वमेध घाट जहाँ श्रीकल्कि जी 13 मई को विराजेंगे

* श्री कल्कि जी का भवन क्या बनना शुरू हुआ माँ विंध्यवासिनी ने देखते देखते कईयों के भवन बनवा दिए-पढ़ें व देखें अगले अंक में

विंध्याचल में भगवान श्री कल्कि की मूर्ति स्थापना 12 मई 2013

माँ विंध्यवासिनी मंदिर परिसर, विंध्य महादेव के पास, विंध्याचल, मिर्जापुर (यू.पी.)

वाराणसी में भगवान श्री कल्कि की मूर्ति स्थापना 13 मई 2013

दशाश्वमेघ घाट, बड़ी सीतला माँ मंदिर, कांशी धाम, वाराणसी में

आप सभी सादर आमंत्रित हैं

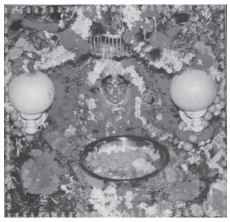

बड़ी सीतला माँ मंदिर,

श्री श्री खिचड़ी बाबा मंदिर, अन्न क्षेत्र, कांशी धाम, दशाश्वमेघ, वाराणसी (बृहस्पति मंदिर के सामने)

10 मई 2013- शाम 5:45 नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से शिव गंगा एक्सप्रेस द्वारा वाराणसी के लिये प्रस्थान

11 मई 2013- प्रातः 8:30 बजे वाराणसी में जैपुरिया धर्मशाला, बागला अतिथि भवन व मारवाड़ी धर्मशाला में आपकी सुविधा अनुसार ठहरने की व्यवस्था उपलब्ध पिछली बार की तरह हवाई जहाज (Spice Jet) से आने वाले भक्तों के लिए 10-11 मई को बनारस व विंध्याचल आने की व्यवस्था एवं एयरपोर्ट से कारों की एवं हिंदुस्तान इंटरनैशनल होटल में ठहरने की व्यवस्था भी उपलब्ध है।

प्रातः 10 बजे गंगा जी के तट पर शीतला माता के मन्दिर में कल्कि भगवान की मूर्ति पूजा आरम्भ

दोपहर 2 बजे रात्रि 8 बजे तक नगर भ्रमण व विभिन्न सिद्धपीठों के दर्शन

12 मई 2013- प्रातः 7 बजे वाराणसी से विंध्याचल के लिये प्रस्थान-माँ विंध्यवासिनी दर्शन

प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक विंध्याचल में कल्कि भगवान की मूर्ति स्थापना

दोपहर 1 बजे से दोपहर 2 बजे तक भगवान श्री कल्कि का भण्डारा

दोपहर 3 बजे विंध्याचल से वाराणसी के लिये प्रस्थान

रात्रि 9 बजे से 11 बजे तक अनुभवमय सतसंग गोष्ठी (दानघाटी गिरिराज मंदिर गोवर्धन की तर्ज पर)

13 मई 2013-प्रातः 7 बजे गंगा जी पर कल्कि जी का हवन व मूर्ति पूजा

प्रातः 8 बजे भगवान श्री कल्कि की शोभायात्रा

प्रातः 10 से 12 बजे भगवान श्री कल्कि की मूर्ति स्थापना, श्रृंगार, कीर्तन एवं आरती

दोपहर 12:30 बजे से 1:30 बजे तक भगवान श्री कल्कि का भण्डारा

दोपहर 1:30 बजे से 5 बजे तक नगर भ्रमण व सिद्धपीठ दर्शन

शाम 6 बजे वाराणसी रेलवे स्टेशन पर पहुँचकर शिव गंगा एक्सप्रेस के द्वारा दिल्ली के लिये प्रस्थान

इच्छुक भक्तगण रेलवे होटल व गाड़ी की बुकिंग के लिये सम्पर्क करें

श्री मनोज पाण्डेय- 09212703815, श्री सुनील गुप्त-9810272111 श्री अमित जैन- 09310133445

विंध्यवासिनी में हमारे कल्कि मंदिर के महंत पंडित बाबा गुरू हैं (09695426038) जहाँ श्री कल्कि जी की मूर्ति लगा रहे हैं माँ के दर्शन के बाद इन्हें दक्षिणा 101 रुपए दे देवें और कहें हमें माँ के चरणों में शीश नवाना है।

टैक्सी- इनोवा ए .सी. 12 रुपये प्रति कि. मी. (कम से कम 200 कि. मी. प्रति दिन), पहले से बुकिंग तथा अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें—श्री मनोज पांडे-9212703815 श्री सुनील गुप्त-9810227111 श्री अमित जैन-9310133445

विशेष : इस बार चाट का आनंद लें दीना चाट भंडार गोधूलिया चौक, वाराणसी

आपबीती

जब नया मकान बदला

—सुश्री संगीता गर्ग (9873349478)

अभी जिस घर में हम रह रहे हैं वह थोड़ा छोटा था लेकिन खुला और हवादार था। मेरे पति ने कहीं और घर लेने का मन बनाया लेकिन मैं यह घर नहीं छोड़ना चाहती थी। **दो महीने तक मैं रोती रही,** इतनी परेशान रहती थी कि मेरा **ब्लड प्रेशर भी कम हो गया,** जबकि स्वप्न अनुभवों में घर बदलने के संकेत मिल रहे थे। एक स्वप्न अनुभव में तो स्पष्ट संकेत था कि हमारे घर से तीन घर छोड़कर ही हमें घर मिला है, घर बड़ा है और मैं कह रही हूँ कि हमें तो पता ही नहीं था कि **हमारे घर के पीछे ही गंगा बह रही है।** मेरी एक न चली और मेरे पति ने घर का सौदा कर लिया। इन सारे संकेतों के बावजूद भी मैं मानसिक रूप से घर बदलने को तैयार नहीं थी।

पुराना घर सेल होने के बाद तीन-चार महीने तक हमारी शिफ्टिंग में अड़चने आती रहीं। जिसको हमने घर बेचा था उसको पास रुपयों की परेशानी आ गई जिससे हमें पेमेन्ट आने में रुकावट आ गई। जिससे हमने घर लिया था वह कोई समझौता करने को तैयार नहीं था। उसे समय पर पैसा चाहिए था। मेरे पति बहुत परेशान रहने लगे। तब पैनल के सदस्यों से पूछकर विश्वकर्मा जी से निरन्तर उपचार और प्रार्थना शुरु किये। **इन सब परेशानियों में दीवाली का त्योहार** निकल गया। अब मेरे मन में यह घबराहट थी कि **नए घर में पहली होली नहीं होनी चाहिए।**

इसी दौरान मेरी बेटी को हमारे पुराने घर के लिये स्वप्न आया कि हमारे बैडरूम में अतृप्त आत्माएं और आसुरी शक्तियाँ भरी हुई हैं जो हमें यहाँ से जाने में अड़चन डाल रही हैं। **फिर तो मुझे सारी बात समझ आ गई कि क्यों मेरा इस घर से मोह नहीं छूट रहा है और रुपए के भुगतान में अड़चनें आ रही हैं।** हमने तुरन्त पैनल के सदस्यों से पूछकर जमुना महारानी वाला वस्त्रों का उपचार किया और साथ ही नए मकान और पुराने मकान की डील में कोई रुकावट न आए वासुकी जी, विश्वकर्मा जी, योगमाया, बगलामुखी और पित्रों का उपचार करके हमने दोनों पार्टियों के साथ मीटिंग की। **इस मीटिंग में फैंसला हमारे पक्ष में हुआ** और हमें पुराने घर में एक महीना अधिक रुकने का दैवी शक्तियों ने समय दिलवाया साथ ही नए घर का कब्जा एक महीने पहले मिलना तय हो गया। **मैं जो होली पर नए घर में नहीं जाना चाहती थी,** घर मरम्मत कराना चाहती थी। यह काम मानो अपने आप होता चला गया। लेकिन आसुरी शक्तियों के प्रहार अब दूसरी तरफ से शुरू हो गए। मेरे पति जिस दिन अपने मकान की रजिस्ट्री कराने गए तो पता चला कि 2013 के बजट के अनुसार मकान की खरीद फरोख्त पर लगने वाले टैक्स से हमें 80 हज़ार की चपत लगेगी। हमने तुरन्त मामाजी को फ़ोन किया तो उन्होंने 26 पूरे हलवे का दुर्गा जी का, 100 रुपये से भैरो बाबा का लिफाफे वाला उपचार, 20 रु से विश्वकर्मा जी का, और योगमाया जी का उपचार *(उपचारों और प्रार्थनाओं के लिए स्वप्नानुभव विज्ञान पुस्तक के पृष्ठ 205 से 220 तक देखें)* करने के लिए कहा और जब तक हमारे द्वारा खरीदे मकान की रजिस्ट्री नहीं हो जाती तब तक रोज़ सभी उपचारों के रु वाली पर्ची पर हाथ लगा कर प्रार्थना करने के लिये कहा। इतनी बात होने के बाद भी मेरे पति मकान के सारे कागज़ लेकर मामाजी के पास गए। **मामाजी के कहने पर योगेश बाबू ने कागज़ देखकर वकील से पूछकर यह बताया कि ऐक्स्ट्रा टैक्स सिर्फ़ सेल पर है परचेज़ पर नहीं है। वरना हमारी अज्ञानता से पार्टी हम से 80 हजार रुपए ले मरती।**

अब पिछले 4 महीने की इन परेशानियों के बारे में सोचती हूँ तो लगता है कि प्रभु श्री कल्कि कितने तूफानों में से हमारी नाव को अपनी हथेलियों पर बैठाकर निकाला है। एक-एक व्यवस्था उन्होंने हमारे अनुकूल की। जैसा हम चाहते थे सब वैसा ही हुआ। आज ** भगवान श्री कल्किजी की कृपा से कल्कि भक्त के असंभव कार्य संभव होते हैं। पर यह विडंबना है भक्त ज्यादा समय तक खुश नहीं रह पाता। बहुत सारी परेशानियाँ उसे घेर लेती हैं।— अगले अंक में पढ़ें ऐसा क्यों होता है—भक्त क्या करे क्या न करे।* ***ध्यान रहे—*** *महाभारतकाल में पांडव द्वारा पूर्ण रूप से जीते हुए युद्ध का विजय उल्लास जरा सी असावधानी से पाँचो पांडव पुत्रों की निर्मम हत्या के कारण दर्दनाक रूदन में बदल गया था।* **मेरा रोम-रोम कल्कि जी के प्रति कृतज्ञता से भरा हुआ है।**

दु:खी रहने के 10 कारण

1. देरी से सोया देरी से उठा
2. लेनदेन का हिसाब न रखना
3. किसी के लिये कुछ न करना
4. स्वयं की बात को ही सत्य बताना
5. किसी का विश्वास न करना
6. बिना कारण झूठ बोलना
7. कोई भी काम समय पर न करना
8. बिन मांगे सलाह देना
9. बीते हुए सुख को बार-बार याद करना
10. हमेशा अपने लिये ही सोचना

भूल-सुधार

अप्रैल 2013 अंक में *अपने ऊपर जुर्माना (पैनल्टी) क्यों लगाएं जब हम सही कर रहे हैं?* इस लेख के भाव मामाजी के थे जिन्हें सुश्री इंदू बंसल ने संजोया था।

शुभ सूचना

कोलकाता में कल्कि बाल वाटिका मासिक पत्रिका के प्रकाशन का शुभारंभ

प्रिय भक्तों, भगवान श्री कल्कि की असीम कृपा से ठाकुर रामकृष्ण परमहंस की नगरी कोलकाता में श्री कल्कि बाल वाटिका मासिक पत्रिका का मार्च 2013 से प्रकाशन का शुभारंभ हो गया है। इस जटिल असंभव कार्य को संभव किया है संभल महात्तम पर कार्य कर रहे श्री वरूण चौधरी जिन्होंने भगवान श्री कल्कि से दो विशिष्ट अमानतें प्राप्त की हैं। उन्हें स्थायी रखते हुए और आगे बढ़ने के लिए उनके इस ऐतिहासिक कदम को निरंतर बनाए रखने के लिए श्री कल्कि बाल वाटिका समस्त भगवान श्री कल्कि, माँ सरस्वती, माँ गंगा, माँ काली का आभार प्रगट करती हैं कि आपने हमें जो साहित्यिक कार्य के लिए कोलकाता के विद्वान समाज के साथ जोड़ा जिससे हमारे बच्चों को और ज्यादा भक्ति व ज्ञान की प्राप्ति हो। वह उन्हें और उनके परिवार व साथियों को ऐसी शक्ति दें कि वह सब मिलकर इस कलियुग रूपी कूड़े को धरा से हटाकर भगवान श्री कल्कि द्वारा सत्युग की स्थापना करने की शक्ति दें। पुन: यह सभी साधुवाद के पात्र हैं। इस अंक में प्रस्तुत है श्री कल्कि बाल वाटिका की परंपरा की भांति कोलकाता की एक कल्कि भक्ता की आपबीती—

असंभव को संभव किया मेरे श्री कल्कि ने

—सुश्री प्रियंका सर्राफ नथानी (09748748304)

मेरा विवाह एक धार्मिक परिवार में 2004 में हुआ और मुझे 2005 में एक पुत्री की प्राप्ति हुई। उसके 2 साल बाद मुझे और मेरे परिवार वालों को चाह थी कि अब एक बेटा हो जाए। एक साल तक सभी प्रयास विफल हो गए मैं गर्भ धारण नहीं कर पाई। मैंने कई डॉक्टरों को दिखाया, कई जाँच कराई, मेरी सभी रिपोर्ट सामान्य थीं। फिर मैंने दूसरे डॉक्टर से अपना इलाज कराया और गर्भधारण किया, कुछ ही दिनों में मेरा गर्भपात हो गया। मैं बहुत दुखी हो गई। मुझे ऐसा लगने लगा था कि मेरी मंजिल बहुत ही दूर है। मुझे एक सपना सा लगने लगा था। मैंने मुंबई जाकर भी जाँच कराई, रिपोर्ट सब नार्मल आते, लेकिन रिजल्ट नहीं मिला, तो मैं बेहद हताश हो गई थी। इतने डॉक्टरों को दिखाया, दवाईयाँ, इंजेक्शन सब लिया। एक डॉक्टर के बोलने पर अपना खान-पान सब बदल दिया फिर भी कुछ नहीं हुआ।

फिर मुझे कल्कि जी का नाम मिला। जब मैंने शुरू-शुरू में कल्कि भगवान के बारे में सुना तो मुझे आश्चर्य होता था कि क्या प्रभु सही में अपने भक्तों की मदद करते हैं? मैंने कल्कि भगवान की पूजा शुरू की। पूजा शुरू करने के 3 महीने बाद ही मैं गर्भवती हो गई। मैंने अपनी पूजा जारी रखी और कल्कि भगवान ने मेरी और मेरे बच्चे की रक्षा पल-पल की।

मैं जिस डॉक्टर को दिखा रही थी, उसने मुझे रोज खाने के लिए एक दवाई दी। जब वह दवाई लिख रही थी, तभी मेरे मन में संशय आया, लेकिन मैंने ध्यान नहीं दिया और रात को वह दवाई ले ली। रात में ही मुझे स्वप्नानुभव हुआ— एक दूसरा डॉक्टर नजर आया कि वह मेरे घर आया है और वाणी अनुभव हुआ कि मुझे यह दवाई नहीं लेनी है। अगले दिन मैंने 2-3 डॉक्टरों से दवाई की जाँच कराई, इंटरनेट से उस दवाई के बारे में जानकारी निकाली तो पता चला कि वह गर्भवती महिलाओं के लिए खतरनाक दवाई है। इसकी एक गोली भी गर्भवती स्त्री को नहीं लेनी चाहिए। मैंने अपना डॉक्टर बदल दिया और कमाल की बात यह कि वही डॉक्टर देखने आया, जिसे मैंने अनुभव में देखा था। मेरी पूरी गर्भावस्था के दौरान प्रभु श्री कल्कि ने मेरी और मेरे बच्चे की पल-पल रक्षा की। कल्कि जी मुझे स्वप्नानुभव दिखाते गए और मैं उपचार संकल्प करती गई।

18 अप्रैल 2011 को हनुमान जयंती के दिन (कल्कि भक्तों के गुरु हनुमान जी हैं) मैंने अपने बेटे को जन्म दिया। मैं और मेरे परिवार वाले बेहद खुश थे। हमारा संयुक्त परिवार है और हमारे घर में तीन लड़कियों के बाद बेटा हुआ।

क्या आप विश्वास करेंगे?, जब मैं कल्कि भगवान की पूजा करती थी, गर्भावस्थ के दौरान, तो परिचित लोग हँसते थे, कहते थे-पूजा पाठ करने से कुछ नहीं होता, लेकिन मेरे कल्कि भगवान ने मेरी इच्छा पूरी की, मुझे बेटा कर देकर। कल्कि भगवान को कोटि कोटि नमस्कार करते हुए धन्यवाद। वे हम पर सदा अपनी कृपा बनाए रखें।

कोलकाता में भगवान श्री कल्कि का प्रचार कार्य

* 21 अक्टूबर 2012 को श्री कल्कि अभिषेक, सहस्त्रार्चन और कल्कि सहस्त्रनाम का सामूहिक हवन

* श्री कल्कि-दि लास्ट सेवियर यह फिल्म भगवान श्री कल्कि के बारे में समस्त जानकारी उपलब्ध करवाती है जो अब उपलब्ध है-9831072107

* 24 दिसंबर 2012 से 31 दिसंबर तक निक्को पार्क के बिग लॉन में कोलकाता के एक प्रसिद्ध समारोह आपणो गाँव मेला में पहली बार कल्कि जी के बारे में एक प्रदर्शनी लगाई गई। कल्कि जी का साहित्य और लोगों को कल्कि जी की पूजा करने की विधि बताई गई

कल्कि जी के संकल्प उपचारों से बिकी हुई एम.बी.ए. की डिग्री मिली

—मेघा तायल (9990757630)

मैंने 2006-2009 सेशन में एम.बी.ए. पास किया था। मेरी शादी 2008 अप्रैल में हुई थी सो परिस्थितिवश मैं बीच में पेपर नहीं दे पाई। मैंने बीच में एक सेमेस्टर छोड़कर फिर से पेपर दिए और बहुत अच्छे नंबरों से एम.बी.ए. पास किया। इस बीच मुझसे गल्ती यह हुई कि मैंने अपनी डिग्री लेने में थोड़ी ढील कर दी। इसका परिणाम यह हुआ कि मेरी डिग्री आगे किसी और को बेच दी गई (इस पूरे प्रकरण में हमें यह बात पता चली कि 17 विद्यार्थियों की डिग्री इस तरह आगे बेच दी गई थी)। दो साल तक मैंने नोएडा चक्कर लगाए लेकिन मेरी डिग्री मिलने के कोई आसार नहीं थे इस बीच जाने कितने ही मेल यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर से लेकर बड़े बड़े अधिकारियों को किए लेकिन किसी मेल का कोई जवाब नहीं आया। एक दिन मैंने अपनी मौसी से बात की वो कल्कि अनुभव पैनल की सदस्या हैं उन्होंने मुझसे कल्कि जी द्वारा प्रदान बारह देवी देवताओं के सुरक्षा कवच में से कुछ उपचार करने को कहा—

1. कल्कि जी— 20 रु पर हाथ लगाकर 15 दिन तक रोज प्रार्थना

2. विश्वकर्मा जी—20 रु पर हाथ लगाकर 15 दिन तक रोज प्रार्थना

3. दुर्गा जी—20 रु पर हाथ लगाकर 15 दिन तक रोज प्रार्थना

4. सरस्वती जी—20 रु पर हाथ लगाकर 15 दिन तक रोज प्रार्थना

5. माँ योगमाया—20 रु पर हाथ लगाकर 15 दिन तक रोज प्रार्थना

6. माँ बगुलामुखी—20 रु पर हाथ लगाकर 15 दिन तक रोज प्रार्थना

इसके साथ साथ गाय माता, सूर्य भगवान से रोज प्रार्थना की। ऊपर लिखे उपचारों को 15 दिन तक प्रार्थना करने के बाद अगले दिन उनका प्रसाद और दक्षिणा चढ़ा दिया और फिर से 20-20 रु उठा कर रख दिए और प्रार्थना करती रही। यह क्रम जारी रहा।

प्रार्थना— सभी प्रार्थनाएं अलग अलग की और प्रार्थना एक जैसी बना ली ताकि याद रखने में आसानी हो और मैं रोज बोल सकूँ।

कलियुगी, आसुरी, दुराचारी, मक्कार शक्तियों को उनका भाग देकर मेरी एम.बी.ए. की डिग्री मिलने में बाधा अटकाने से रोकिए इन शक्तियों को इनके स्थानों पर वापस भेजिए। मेरा मार्गदर्शन कीजिए मुझे कल्किजी का काम करना है।

यह उपचार और प्रार्थना करते करते मुझे पता चला कि मेरा तो कांवोकेशन प्रोग्राम में लॉग इन नहीं हो सकता क्योंकि मेरी ऐनरॉलमेंट नकली है। यह सुन कर मेरे तो होश ही उड़ गए कि तीन साल तक जो मैंने मेहनत की मानो उस पर तो पानी फिर गया हो। मैंने अपने साथ और पढ़ने वाले विद्यार्थियों से बात की तो पता चला कि उन्हें तो डिग्री मिल चुकी है फिर मेरे साथ ही ऐसा क्यों हुआ समझ नहीं आ रहा था। मैं अपने भाई, मम्मी, पापा और पति के साथ नोएडा की यूनिवर्सिटी गई कि देखें आखिर यह सब हो क्या रहा है? वहाँ जाकर हमारे काफी कहने सुनने पर उन्होंने हमें दो टूक जवाब दिया कि यहाँ आपके नाम का ना तो कोई रिकॉर्ड है और न ही फाइल है। मेरे भाई ने गुस्से में यह तक कह डाला कि अगर आपने हमारा केस नहीं देखा तो हम मीडिया को बुलाएंगे। लेकिन उन लोगों पर तो कोई असर ही नहीं था। मेरी मम्मी और मैंने खड़े खड़े जय श्री कल्कि जय माता की माला मन ही मन करते हुए सारे उपचारों की प्रार्थनाएं दोहराई। तभी मानो चमत्कार हुआ। वहाँ काम करने वाला एक कर्मचारी जिसका नाम संजय था वह मेरी फाइल निकाल कर लाया **वहाँ बैठी मैडम से बोला कि ये लोग पिछले दो साल से परेशान हैं इनकी फाइल ये मिल गई है।** वह मैडम जोकि नई आईं थी वह बोली कि यहाँ 17 ऐसे केस हुए हैं जिनकी डिग्री के साथ गड़बड़ हुई है। मैं आपकी हर हालत में सहायता करूंगी उन्होंने हमें पक्का आश्वासन दिया और हम अपने घर आ गए।

रात को मेरी मम्मी को स्वप्नानुभव हुआ— मेरी छोटी बहन नेहा की शादी हो रही है। बस फेरे होने बाकी हैं मेरी बहन सिर धोकर लहंगा बदलकर आ गई है मम्मी गुस्सा हो रही है कि तूने लहंगा कैसे बदल लिया। मैंने उसे प्यार से समझाया कि तेरे ससुर नाराज न हों इसके लिए उन्हें बातों में लगाना जरूरी है मैं बाकी काम निपटाती हूँ।

अर्थ— आपका काम गुस्से से नहीं बनने वाला। प्यार से ही वहाँ से डिग्री निकलेगी। गुस्से से सारा काम खराब हो सकता है। अत: धैर्य रखकर जब तक डिग्री हाथ में न आ जाए उपचार करते रहें बीच में बंद न करें स्वप्नानुभवों के अनुसार और परिस्थिति के अनुसार उपचार कम या ज्यादा करते रहें और जहाँ प्रार्थना बदलनी है बदल दें सो उपचारों को लिखना जरूरी है।

हम उन मैडम से लगातार बात करते रहे लेकिन दो महीने निकल गए कुछ भी होता नजर नहीं आ रहा था। काफी समय बाद **मेरी मम्मी को पुनः अनुभव हुआ—** उन्हें अपना स्कूल दिखा जहाँ डिग्रीयाँ बंट रही हैं हम भी लाइन में लगे हैं। सबको डिग्री मिल रही है। लेकिन हमारी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। मम्मी एक कमरे में घुसती हैं जहाँ एक कर्मचारी शराब के नशे में धुत बैठा है मम्मी उसे बहुत डाँट रही हैं उसके पास 5 बोतलें शराब की रखी हैं और वो चुपचाप सिर झुकाकर सुन रहा है

अर्थ—शक्तियाँ शांत तो हुई हैं लेकिन अपना भाग भैंरो जी के द्वारा दवाई (शराब) के रूप में चाह रही हैं। पैनल मैम्बर ने बताया कि यह उपचार 5 हफ्ते करने का संकल्प लें आपको **जरूर रास्ता मिलेगा।**

मेरी मम्मी ने यह उपचार मेरी तरफ से करने का संकल्प ले लिया अगले ही दिन नोएडा से उन मैडम का फोन आया कि मेरी डिग्री तैयार तो है लेकिन एक अफसर जिनको मेल किए गए थे वो चिड़े हुए हैं और साइन नहीं कर रहे हैं मैंने मौसी को फोन किया तो उन्होंने कहा कि **जो अफसर रोड़े अटका रहे हैं उनका नाम अपने सारे उपचारों में जोड़ दो रास्ता तो मिला मिलाया ही है।**

इस बीच हमारे मामाजी की जान पहचान एक बड़े अधिकारी से निकली तो उन्होंने भी इस केस की चर्चा उनसे की। इस पर **कल्किजी ने अनुभव दिखाया—जो यह काम अंदर ही अंदर हो रहा है अभी इसको बिल्कुल गुप्त रखना है। किसी से भी चर्चा नहीं करनी है। मुझे इस स्वप्नानुभव का अर्थ जानकर बहुत हैरानी हुई कि कल्कि जी एक मां की तरह हर पग पर हमारा मार्गदर्शन करते हुए चल रहे हैं। मन से बार बार कल्कि भगवान के लिए धन्यवाद निकल रहे थे।**

8 जनवरी 2013 को नोएडा से फोन आया कि आपकी डिग्री तैयार है आप ले जा सकते हैं मैं सारे उपचार करके गई और 9 जनवरी 2013 को **असंभव लेकिन सत्य मेरी वो डिग्री जो आगे बेची जा चुकी थी मुझे वापिस मिल गई।** घर पहुंचते ही मैंने मौसी को फोन करके खुशखबरी सुनाई मौसी ने कहा कि अब सारे देवी देवताओं के धन्यवाद के उपचार करने हैं। मैंने और मम्मी ने सारे उपचार किए। * **मन से भगवान श्री कल्कि के आभार हेतु शब्द नहीं आंसू निकल रहे थे।**

** भगवान श्री कल्किजी की कृपा से कल्कि भक्त के असंभव कार्य संभव होते हैं। पर यह विडंबना है भक्त ज्यादा समय तक खुश नहीं रह पाता। बहुत सारी परेशानियाँ उसे घेर लेती हैं।— अगले अंक में पढ़ें ऐसा क्यों होता है—भक्त क्या करे क्या न करे। **ध्यान रहे—** महाभारतकाल में पांडव द्वारा पूर्ण रूप से जीते हुए युद्ध का विजय उल्लास जरा सी असावधानी से पाँचो पांडव पुत्रों की निर्मम हत्या के कारण दर्दनाक रूदन में बदल गया था।*

आयूष को अपने नाना से 100 रु मिले उसने कुछ इस तरह इसे तीन गुल्लकों में रखा

5 रु शुभ की गुल्लक में इसे वह भगवान के कार्यों में लगाएगा इससे कल्कि जी से लिंक बना रहेगा

10 रु बचत की गुल्लक में यह रुपया जरूरत के समय काम आएगा।

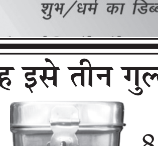

85 रु आयूष के विभिन्न खर्चों के लिए इससे आयूष के बैंक और जेब दोनों में रुपए रहेगा।

भविष्य-दर्शन अन्तर्जगत में स्वप्नानुभव एक सम्पदा के दूसरे संस्करण का नामकरण

प्यारे बच्चों और साथियों कितने भाग्यशाली हो कि श्री हनुमान जी-ठाकुर स्वामी रामकृष्ण परमहंस-श्री कल्कि जी आपको लोक परलोक से समय समय पर अवगत करवाते रहते हैं। 5 जनवरी 2013 को **स्वप्नानुभव एक सम्पदा** ग्रंथ का विमोचन हुआ। सुश्री मेघना गोयल (9136377829) को 8 जनवरी को एक स्वप्नानुभव में भगवान ने बताया कि स्वप्नानुभव एक सम्पदा स्वप्न-अर्थ-उपचार-प्रार्थना सहित वाली दूसरे ग्रंथ का नाम **भविष्य दर्शन** होगा। पूर्ण विवरण जनवरी 2013 के मासिक पत्रिका के अंक में पढ़ सकते हैं। प्रस्तुत हैं **भविष्य दर्शन** में आने वाले कुछ स्वप्नानुभव जिन पर मामाजी, सुश्री सुषमा गोयल व अन्य पैनल सदस्य कार्यरत हैं—

*** दुकान का ताला खुलकर बंद * गुलाब का फूल * नजर की तीन बत्तियाँ * 100 में से एक की जमानत * 21 वर्षीय लड़के की शादी मर्द के साथ * तू नहीं और सही तो मैं क्यों नहीं * मरकर भी भाषण * तुझे ही नहीं-तेरे दोस्त-रिश्तेदार को भी बचाऊंगा * मैट्रो ने पीपल की जड़ें काटी * माँ ने कहा इसे दुकान की चाबी मत देना * स्वर्गीय पिता ने स्वर्गीय माँ द्वारा रूका रुपया दिलवाया * एक नहीं दोनों अमानतें जाएंगी * मामाजी की कितनी मौतें * धनाढय परिवार में कल्कि का काम करने वालों को न बचा पाए * बड़ों के आगे थोड़े शब्द बोलकर निकल जाओ * दीपक जलाकर अंतर्जगत का मैसेज वापिस * क्षणिक अनुभव— * लेबर यूनियन * झूला झूलते हुए हाई कोर्ट में अपील स्वीकार * कल्कि जी की शक्ति का बल पूरे विश्व में फैले * पूरा विश्व जागेगा जागेगा * अणु परमाणु बन चुके हैं * मुर्दे को पूरा फूंको * तुम्हारा क्या है तुम्हारी गाड़ी तो बिना इंजन के भी चलेगी।**

*नोट—जो भी कल्कि भक्त अपने स्वप्नानुभव जो उनके साथ घटित हुए हैं हमें लिख कर भेजें। इनके छपने पर कल्कि समाज को मदद और दृष्टा को सुख वैभवता मिलती है ऐसा हमने पाया है। वह बात अलग है **मानूं मैं न मानूं***

कल्कि कल्प-वृक्ष

—मामाजी

मेरा काम बच्चों का हाथ नारायण श्री कल्कि के हाथ में देना है। मुझे उन्हें वास्को डिगामा की तरह कल्कि जी का सुदृढ़ सैनिक बनाना है। मुझे बच्चों के जीवन के शुरू के सिर्फ 6 वर्ष चाहिए। उसमें से भी सिर्फ प्रत्येक महीने के एक दिन के 6-7 घंटे, जिसमें उन्हें खेल-खेल में सनातन धर्म (कर्म प्रधान धर्म का ज्ञान, माता-पिता, बड़ों का सम्मान व भगवान की नवधा भक्ति) के संस्कार दिए जाते हैं। फिर बाकी के वर्षों की मुझे फिक्र नहीं।

मुझे बच्चों के हृदय की प्लेटों पर अच्छे संस्कार अंकित करने (लिखने) हैं ताकि उम्र के हिसाब से आने वाले वर्षों में कलियुग की भीषण आंधी से इस संघर्षमयी जीवन से टक्कर लेते हुए सुखी भाव से आगे ही आगे बढ़ते चले जाएं, कठिन परिस्थिति में टूटे नहीं। मुझे विवेकानंद की तरह ज्ञानी, झांसी की रानी, शिवाजी, राणा प्रताप व तांत्या टोपे आदि जैसे कल्कि जी के अर्जुन बनाने हैं साधु या संन्यासी नहीं। समाज के अभिन्न अंग बनाने हैं विद्रोही नहीं।

सत्संगमयी अनुभव गोष्ठी

दिनांक : शनिवार 13 अप्रैल, शनिवार 11 मई 2013
स्थान : जी-3 थर्ड फ्लोर,मित्रद्वीप अपार्टमेंट* पटपड़गंज दिल्ली-92
समय : दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक
संपर्क : श्री सुनील गर्ग, सुश्री संगीता गर्ग (9873349478)
सुश्री मेघना गोयल

दिनांक : शनिवार 6 अप्रैल, शनिवार 4 मई 2013
स्थान : एम.के. हाउस, सी-2/8 अशोक विहार फेज-2
दीप सिनेमा के सामने, नई दिल्ली-52
समय : दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक
संपर्क : श्री राकेश गोयल, सुश्री सुषमा गोयल (9899698240)
सुश्री इंदू बंसल

आवेंगे सही प्रगटेंगे सही कल्कि भगवानखड्गधारी

1961 से मैंने रामकृष्ण परमहंस के आवेशावतार गुरुवर लक्ष्मीनारायण जी, हनुमान जी के आवेशावतार गुरुवर बालमुकुन्द जी, दुर्गा जी एवं कल्कि जी के दृश्य, अदृश्य के सानिन्ध्य में प्रतिदिन दो घंटे माला, पूजा, धार्मिक शास्त्रों का पाठ व हवन से प्राप्त विभिन्न स्वप्न, जागृत, वाणी अनुभव व असंभव को संभव करने वाली अलौकिक अनुभूतियाँ प्राप्त कीं।

1988 से इन चमत्कारी श्री कल्कि जी के अप्रतिम प्रभाव को बालक व बालिकाओं (क्योंकि मैंने पाया कि बड़ों को सिर्फ इज्जत व धन चाहिए) में रोपित करने के लिए चला कि कहीं यह (अलौकिक अनूभूतियाँ) मेरे साथ ही लुप्त न हो जाएं। तब मैं अकेला था, अब मेरे साथ इन सच्चे, कर्मठ साथियों (दृश्य, अदृश्य) का कारवां जुड़ गया है। हम सभी का यही दृढ़ संकल्प है—

प्रगट करें मिलजुल कल्कि को, अब ये ही प्रण ठाना -मामाजी

श्री कल्कि बाल वाटिका, चाँदनी चौक
संरक्षक : श्री ओम प्रकाश गुप्ता 9312533445
संचालक : श्री योगेश गुप्ता 9311033445
भैया : श्री राहुल गोयल, **दीदी :** सुश्री अल्का गोयल

श्री कल्कि बाल वाटिका, करोड़ी मल कॉलेज
संरक्षिका : सुश्री सपना खन्ना 9953989891,
संचालिका : सुश्री पूर्णिमा अग्रवाल 9810135085
भैया : श्री अंकुर गोयल, **दीदी :** सुश्री गरिमा गोयल

श्री कल्कि बाल वाटिका, पटपड़गंज
संरक्षिका : सुश्री पूजा गुप्ता 9811858723,
संचालक : श्री रवि अग्रवाल 9873606251
भैया : कुमार अनिरूद्ध, **दीदी :** कुमारी मनस्वी

श्री कल्कि बाल वाटिका, गगन विहार
संरक्षिका : सुश्री इंदू बंसल 9818416191
संचालिका : सुश्री संगीता रस्तोगी 9911453848
भैया : कुमार शौर्य **दीदी :** कुमारी हिना

श्री कल्कि बाल वाटिका, उस्मानपुर
संरक्षिका : सुश्री मेघना गोयल 9911830603
संचालिका : सुश्री शालिनी पांडे 9582143784
भैया : कुमार उज्जवल पांडे, **दीदी :** कुमारी पूजा

श्री कल्कि बाल वाटिका, घंटाघर
संरक्षिका : सुश्री संजू गड़ौदिया 9312539397
संचालिका : सुश्री इंदू गुप्ता 9891085091
भैया : कुमार श्रेयांस, **दीदी :** कुमारी साक्षी

श्री कल्कि बाल वाटिका, नोएडा
संरक्षिका : सुश्री मुक्ता शर्मा 9811134378
संचालिका : सुश्री प्रतिभा शर्मा 9717417753
भैया : कुमार देव, **दीदी :** कुमारी अंबिका

श्री कल्कि बाल वाटिका, पंजाबी बाग
संरक्षिका : सुश्री मीनाक्षी गुप्ता 9811242748
संचालिका : सुश्री नलिनी गुप्ता 9818647564
भैया : कुमार तनिष्क, कुमार सार्थक, कुमार शुभ

मासिक पत्रिका कम्पोजिंग, सम्पादन प्रभारी : श्री राजेश गुप्ता-9811658415, सुश्री पूजा गुप्ता-9811858723, सुश्री मेघना गोयल-9968066625, सुश्री श्रुति सर्राफ-9830157545, सुश्री उपासना गोयल-7503215553

साहित्य सलाहकार समीति : श्री ओ.पी. गुप्ता-9212533445, सुश्री अलका गोयल-9811281271, सुश्री मेघना गोयल, सुश्री इंदु बंसल-9818416191, सुश्री रश्मि गुप्ता-9873345859, सुश्री संगीता गर्ग-9873349478, सुश्री रश्मि गनेरीवाल 9831273015, श्री हेमंत गुप्ता 9321128789, श्री वेद प्रकाश गुप्ता 9810000012, श्री महावीर चौधरी 09830334529

भगवान श्री कल्कि की मूर्ति स्थापना : श्री अनिल गड़ोदिया 9810025302, श्री योगेश गुप्ता-9311033445, श्री विपुल गुप्ता

सांस्कृतिक कार्यक्रम (नृत्य, कीर्तन व नाटक लीला) : श्री अंकुर गोयल-9818522778, सुश्री गरिमा गोयल 9999133046, सुश्री शलभ गोयल 9910066506

श्री कल्कि कीर्तन एवं व्यवस्था : श्री पदम गोयल 9910291711, कुमार अक्षय गड़ोदिया 9958161610, चंद्र मोहन राजपूत 9873434237, कुमार महावीर

तीर्थों पर आने-जाने की व्यवस्था : श्री नवीन गुप्ता 9971193344, श्री मनोज पाण्डे 9212703815

मूर्ति, शृंगार, पोशाक व लाईट व्यवस्था : श्री हर्षित गुप्ता 9999885277, अंकित गड़ोदिया 9812539397

श्री कल्कि साहित्य व्यवस्था : पं. अनिल कौशिक 9873091036, श्री लव जेटली 9899095693

वेबसाईट प्रभारी : सुश्री श्रेया चौधरी, श्री विष्णु गोयल 7503215553

श्री कल्कि हवन व्यवस्था : सुश्री अलका गोयल 9811281271, श्री रमेश चंद्र

श्री कल्कि मंदिर अखण्ड ज्योत एवं रख रखाव : श्री राहुल अग्रवाल 9891879718, श्री अनिरुद्ध गुप्ता 9873523985, श्री रोहित गुप्ता 9899499848

प्रसादम् व्यवस्था (अब अन्य मंदिरों में भी) : सुश्री वीना गर्ग 9899774568, श्री अमित गर्ग, श्री प्रेम शर्मा 9953048408

रामलीला सवारी व्यवस्था : श्री हितेश गुप्ता 9891248888, श्री आदर्श सिंघल, 9818525601

कानूनी सलाहकार : श्री अमित तिवारी 9310810888 (एडवोकेट दिल्ली हाई कोर्ट)

मानेसर मंदिर निर्माण : श्री सुभाष गुप्ता 9810300045, श्री राजीव गुप्ता 9818000012, सुश्री रेनू बंसल 981000012

मंत्र बॉक्स प्रभारी : श्री आनंद अग्रवाल 9891748188, श्री संतोष वैद्य

गौ सेवा भोजन प्रभारी : सुश्री पूर्णिमा गुप्ता 9810135805, श्री अजय गुप्ता

भक्ति की दो बहिना : सुश्री संजू गड़ोदिया 9312539397, सुश्री रमा गड़ोदिया 9313040701

इंगिलश हिंदी दुभाषिया : कुमारी साक्षी गड़ोदिया 9868250570

प्रिंटिंग डिजाइनिंग पेपर सलाहकार : श्री अशोक सिंघल, श्री आदर्श सिंघल

Registered with the Registrar of Newspaper for India Under No. Delhi-N/2005/15596 Postal D. No. DL(DG)-11/8061/2012-2014

श्री कल्कि बाल वाटिका के निरंतर कल्कि संग्रहालय की ओर बढ़ते कदम

Objectives Of Kalki Museum

1. भारत भूमि पर जन्म सौभाग्य की गाथा गाता है।
2. भारत भूमि श्री हरि नारायण की भूमि है।
3. भगवान विष्णु के दशावतार
4. अभी कल्कि क्यों ?
5. कलियुग के चौथे चरण के लक्षण
6. कल्कि जी ने अवतार क्यों लिया ?
7. हनुमान जी/ रामकृष्ण परमहंस हमारे गुरु क्यों ?
8. प्राचीन भारत और आधुनिक भारत में अंतर
9. कल्कि जी की पुकार क्यों करें ?
10. कल्कि जी की स्वप्नानुभव लीला
11. भगवान श्री कल्कि की पुकार ही सार है
12. कल्कि जी की भक्ति कैसे करें ?
13. कल्कि जी का प्रचार कैसे करें ?
14. धर्म/ भक्ति / ज्ञान और कल्कि भगवान
15. श्री कल्कि साहित्य

दशाश्वमेघ घाट कांशी में शाम की आरती का विहंगम दृश्य जहाँ 13 मई सोमवार को भगवान श्री कल्कि विराजेंगे

जहाँ गंगा और विन्ध्य पर्वत का संगम हो वही विन्ध्याचल है

विन्ध्य क्षेत्रं सम क्षेत्रं नास्ति ब्रह्माण्ड गोल के

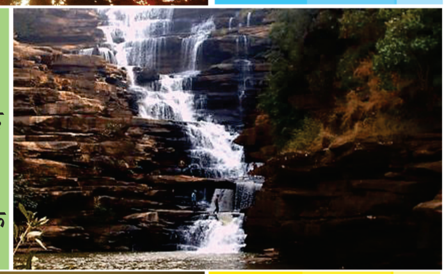

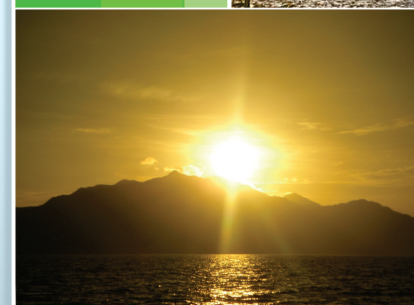

सूर्य की प्रथम किरण प्रतिदिन विंध्याचल पर्वत पर पड़ती है।

माँ अष्टभुजा मंदिर जहाँ कंस के हाथ से छूटकर योगमाया जी आई हैं वहाँ माँ विन्ध्यवासिनी को अष्टभुजा के रूप में पूजा जाता है

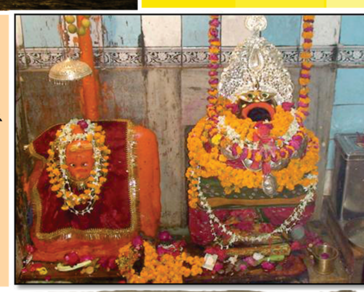

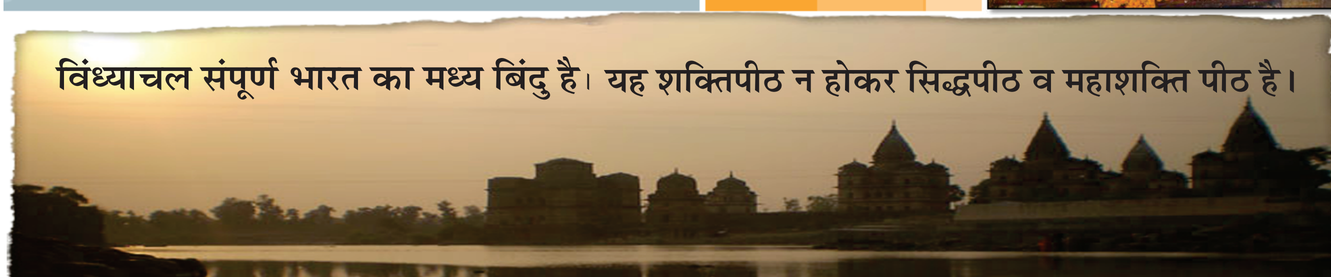

श्री कल्कि बाल वाटिका

* दिल्ली विश्वविद्यालय * पटपड़गंज * यमुना विहार * पंजाबी बाग * गगन विहार * महावीर नगर * मॉडल बस्ती * नोएडा * इंदिरापुरम

1903/3, पहली मंजिल, चाँदनी चौक, दिल्ली-110006 सम्पर्क : 23886646, 23866661

आभार/Ack.: श्री कल्कि पुराण, ऋग वेद, ऋषि प्रसाद, स्वामी राम सुखदास, नवभारत टाइम्स

योगेश प्रकाश गुप्ता, दिल्ली द्वारा प्रकाशित व अन्य बालकों के ज्ञानवर्धन हेतु

श्री कल्कि बाल वाटिका
मासिक पत्रिका
के सदस्य बनने हेतु सम्पर्क करें—
9312533445
9136377829
9968314876